एक नजर में

कलेक्टर ने नागरिकों की सुनी समस्याएं

गुना। कलेक्ट्रेट कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जिलास्तरीय जनसुनवाई में कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। आज आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याओं से संबंधित लगभग 287 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें समग्र आईडी, राशन कार्ड, पेंशन, भूमि विवाद, नामांतरण और विद्युत समस्याएं प्रमुख रहीं। इस अवसर पर अपर कलेक्टर अखिलेश जैन, सीईओ जिपं अभिषेक दुबे, संयुक्त कलेक्टर डॉ. संजीव खेमरिया, एसडीएम श्रीमति शिवानी पाण्डेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई स्थल पर नागरिकों की सुविधा के लिए स्वास्थ्य शिविर, नेत्र परीक्षण केंद्र और आधार हेल्प डेस्क, लीगल एडवाइस आदि की व्यवस्था की गई।

जनसुनवाई में गूंजे आम जनता के मुद्दे

मंगलवार को कलेक्ट्रट कार्यालय में कलेक्टर को सौंपे गए विभिन्न मांग पत्र

नवभारत न्यूज

गुना 12 अगस्त का। जिले की जनसुनवाई में मंगलवार को आम नागरिकों, व्यापारियों, ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों ने अपनी-अपनी समस्याएं व मांगें रखीं।

कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापनों में रोजी-रोटी से वंचित दुकानदारों की पुनः बसावट, उपमंडी रूठियाई में बुनियादी विकास कार्य, ग्राम बरोद से सेमराखेड़ा मार्ग पर पुलिया निर्माण, गौवंश के शवों के सम्मानजनक निपटान और ग्राम कांसल के रोजगार सहायक पर भ्रष्टाचार की शिकायत जैसे मुद्दे प्रमुख रहे।

कलेक्टोरेट पहुंचे कोतवाली गली संघर्ष समिति के दुकानदार

इस मौके पर सिटी कोतवाली गली संघर्ष समिति के अध्यक्ष निरुपम वाजपेयी के नेतृत्व में समस्त दुकानदारों ने कलेक्टोरेट में जनसुनवाई में पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। जिसमें नवीनपुरा मार्ग पर बेदखल दुकानदारों को पुनः स्थापित करने की मांग की है। समिति ने कहा कि कोतवाली नयापुरा मार्ग पर 35 वर्षों से जीविकोपार्जन कर रहे एक सैकड़ा से अधिक दुकानदारों को लगभग एक वर्ष पूर्व अतिक्रमण के नाम पर हटाकर रोजी-रोटी से वंचित कर दिया गया, जिससे उनके परिवार भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि वर्ष 1995 में तत्कालीन नगरपालिका अध्यक्ष ऊषा विजयवर्गीय के कार्यकाल में इन दुकानदारों को अस्पताल परिसर की बाउंड्री के पास स्थापित किया गया था। वर्ष 2016 में नगरपालिका परिषद की बैठक में बापू बाजार शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की तरह निर्माण लागत पर पक्की दुकानें उपलब्ध कराने का संकल्प भी लिया गया, लेकिन राजनीतिक परिस्थितियों के कारण योजना लागू नहीं हो पाई। समिति ने कहा कि नगरपालिका पहले हाट रोड, बापू बाजार और हनुमान चौराहे के दुकानदारों को भी निर्माण लागत पर दुकानें दे चुकी है, इसलिए कोतवाली गली के दुकानदारों को भी उसी आधार पर दुकानें आबंटित की जाएं। समिति का कहना है कि बेदखल दुकानदारों के पास नगरपालिका की अनापत्ति प्रमाण पत्र के आधार पर बिजली कनेक्शन हैं और वे नियमित रूप से बाजार बैठक शुल्क भी अदा करते रहे हैं। ज्ञापन में अस्पताल की बाउंड्री को 7-8 फीट पीछे कर दुकानदारों को पुनः बसाने की मांग की गई है, ताकि उनके चेहरों पर फिर से रौनक लौट सके।

गौवंश की सुरक्षा के लिए भूमिगत दफनाने की मांग

इस दौरान जिले में गौवंश की दुर्दशा को लेकर मंगलवार को गौसेवक मोनू ओझा कलेक्टोरेट में जनसुनवाई के दौरान पहुंचे और कलेक्टर को आवेदन सौंपा। उन्होंने मांग की कि सडक दुर्घटनाओं और पॉलिथीन खाने से मरने वाले गौवंश के शवों को लावारिस की तरह न फेंका जाए, बल्कि उन्हें भूमिगत दफनाने की व्यवस्था की जाए। मोनू ओझा, जो सकतपुर टीचर प्लांट क्षेत्र के निवासी हैं, ने आवेदन में उल्लेख किया कि अक्सर जिले में मृत गायों के शव सडक किनारे या सुनसान जगहों पर फेंक दिए जाते हैं, जिससे कुत्ते और अन्य जानवर उन्हें नोच-नोचकर खाते हैं। यह न केवल अमानवीय है, बल्कि स्वच्छता और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए भी खतरा है। गौसेवक ने कहा कि गायों को हिन्दू समाज में 'माता' का दर्जा प्राप्त है, इसलिए उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार होना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से अनुरोध किया कि मृत गौवंश को उचित धार्मिक और स्वच्छता मानकों के तहत भूमिगत दफनाने के निर्देश दिए जाएं।

ग्राम कांसल के रोजगार सहायक पर भ्रष्टाचार के आरोप

जनसुनवाई के दौरान ग्राम पंचायत कांसल, तहसील बमोरी में रोजगार सहायक द्वारा भ्रष्टाचार करने का मामला सामने आया है। ग्राम बरसाती कांसल निवासी बाजार पुत्र कालाराम ने कलेक्टर को दिए आवेदन में आरोप लगाया कि पंचायत के रोजगार सहायक मुकेश साहू ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने के लिए 30 हजार रुपये की रिश्वत मांगी।

आरोप के अनुसार, सहायक ने साफ कहा कि रकम दिए बिना नाम सूची में शामिल नहीं किया जाएगा। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि गरीबी रेखा का राशन कार्ड बनवाने के बदले भी 5 हजार रुपये की मांग की गई। पीडति ने बताया कि रोजगार सहायक गांव के गरीब और जरूरतमंद लोगों से अवैध वसूली कर रहा है और पंचायत कार्यालय या कार्यस्थल पर उपस्थित नहीं रहता। इसके बजाय वह छोटे-छोटे कामों के लिए लोगों को अपने घर बुलाता है, जिससे ग्रामीणों को परेशानी होती है। पीडति ने कलेक्टर से मामले की जांच कर दोषी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। ग्रामीणों द्वारा दिए आवेदन में शिकायतकर्ताओं ने कहा गया कि इस तरह की गतिविधियां न केवल सरकारी योजनाओं की साख को प्रभावित करती हैं, बल्कि गरीब वर्ग के अधिकारों का हनन भी करती हैं। ग्रामीणों ने भी इस पर नाराजगी जताई और प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की अपेक्षा की है।

उपमंडी रूठियाई में विकास कार्य की मांग तेज, व्यापारियों ने सौंपा ज्ञापन

वहीं उपमंडी रूठियाई के पंजीकृत व्यापारियों ने मंगलवार को कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मण्डी परिसर में विकास कार्य कराने की मांग की। व्यापारियों का कहना है कि उपमंडी की स्थापना वर्ष 1982 में हुई थी, लेकिन आज तक यहां बुनियादी सुविधाओं का अभाव है, जिससे व्यापार और किसानों दोनों को दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। व्यापारियों ने बताया कि वर्तमान में उपमंडी में 12 पंजीकृत व्यापारी हैं, जो हर साल करीब 20 लाख रुपये मण्डी प्रशासन को शुल्क के रूप में जमा करते हैं। इसके बावजूद मण्डी में गोदाम, भूखंड और अन्य बुनियादी ढांचे का अभाव है। जगह न होने के कारण व्यापारी तौल और भुगतान का कार्य अपने घरों से करने को मजबूर हैं, जिससे किसानों को अनावश्यक परेशानी होती है। ज्ञापन में कहा गया कि मण्डी प्रांगण में अतिक्रमण की समस्या बढ़ रही है। नीलामी शेड पर अनधिकृत कब्जा हो चुका है, जहां गंदगी फैली रहती है और किसानों की उपज की चोरी तक हो जाती है। ट्रॉली शेड न होने से बारिश में किसानों की उपज भीग जाती है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। व्यापारियों ने कलेक्टर से मांग की कि मण्डी प्रशासन को आवश्यक विकास कार्यों के लिए निर्देशित किया जाए, ताकि किसानों और व्यापारियों दोनों को मूलभूत सुविधाएं मिल सकें और उपमंडी का सुचारू संचालन सुनिश्चित हो।

गांव बरोद से सेमराखेड़ा मार्ग पर पुलिया निर्माण की मांग

इसी तरह जनपद पंचायत आरोन के ग्राम बरोद के ग्रामीण मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचे और बरोद से सेमराखेड़ा मार्ग पर पुलिया निर्माण की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि हाल ही में सिंध नदी पर पानी सप्लाई के लिए स्टॉप डैम का निर्माण कार्य पूरा हुआ है, जिसके चलते नदी पार जाने का पुराना रास्ता पूरी तरह बंद हो गया है। इससे बरोद से सेमराखेड़ा, ईको और साजीपुर जाने में लोगों को बड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि बरसात के समय नदी का जलस्तर बढ़ने से आवागमन पूरी तरह ठप हो जाता है, जिससे स्कूली बच्चों, मरीजों और किसानों को खासा नुकसान उठाना पड़ता है। गांव की आम सभा में इस विषय पर चर्चा कर सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि सिंध नदी पर पुलिया का निर्माण कराया जाए, ताकि मार्ग पुनः चालू हो सके। सरपंच सोनियाबाई भानु रघुवंशी और सचिव बृजेशसिंह रघुवंशी ने जनसुनवाई में मांग रखी कि संबंधित विभाग से सर्वे कराकर शीघ्र पुलिया निर्माण कार्य शुरू कराया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया बनने से न केवल आवागमन सुचारू होगा, बल्कि आसपास के गांवों को भी सीधा लाभ मिलेगा।

सेवानिवृत्त शिक्षिका सुधा सोनी का भव्य सम्मान समारोह

नवभारत न्यूज

बीनागंज। पीएम श्री शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय बीनागंज की सेवानिवृत्त शिक्षिका सुधा सोनी का नगर की वंदन होटल में एक भव्य समारोह आयोजित कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व शासकीय अधिवक्ता एवं कमिश्नर न्यायालय चाचौड़ा सूर्यप्रकाश सोनी, विशिष्ट अतिथि पशु चिकित्सक संजय सेन और स्वयं सम्मानित शिक्षिका सुधा सोनी मंच पर मौजूद थीं। समारोह की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य हरिसिंह बुनकर ने की। प्राचार्य बुनकर ने अपने संबोधन में कहा कि सुधा सोनी जैसी प्रतिभाशाली और समर्पित शिक्षिकाएं बहुत कम देखने को मिलती हैं। उन्होंने शिक्षा के साथ-साथ समाजसेवा में भी अपनी विशेष पहचान बनाई है। मैं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं। सुधा सोनी ने अपने संबोधन में कहा कि उन्होंने दुर्गम क्षेत्रों में भी सेवाएं दीं, लेकिन कर्तव्यों से कभी समझौता नहीं किया और ईमानदारी से काम किया। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे अपने कर्तव्यों के प्रति हमेशा वफादार रहें।

समारोह को मुख्य अतिथि सूर्यप्रकाश सोनी, हुकुमचंद साहू, प्रभावती भार्गव, ओमप्रकाश शर्मा, श्यामबाबू सोनी, राकेश शर्मा और रमेशचंद्र अहिरवार सहित कई गणमान्य लोगों ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन कर्मचारी नेता कृष्ण गोपाल मीना ने किया और आभार सुश्री सविता जैन ने व्यक्त किया। इस गरिमामय अवसर पर जनशिक्षक ब्रजमोहन साहू, मोहन सिंह मीना, संध्या श्रीवास्तव, गोपाल बाबू मैथिल, रमा मीना, अंजुम कुरैशी, ऊषा साहू, ऋचा सेन, वंदना बरौनियां, कृष्णा शाक्य, अभिषेक मीना, प्रताप शाक्य, वैशाली साहू, ताराचंद सोनी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं और नगरवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन स्नेहभोज के साथ हुआ, जिसमें सभी ने सहभागिता की और सुधा सोनी को उनके योगदान के लिए शुभकामनाएं दीं।

हर घर तिरंगा अभियान : वंदना कॉन्वेंट में बनाई मानव श्रृंखला

गुना। वंदना कान्वेंट स्कूल में नगर पालिका के सहयोग से मानव श्रृंखला बनाकर मध्य प्रदेश का नक्शा बनाया तथा स्वच्छता का संदेश दिया। वंदना कान्वेंट स्कूल में स्कूली छात्र छात्राओं द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी मंजुषा खत्री ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान स्कूली छात्र छात्राओं ने स्कूल के मुख्य द्वार से मुख्य नगर पालिका अधिकारी मंजूषा खत्री की बैंड के साथ आगवानी की तथा सलामी दी। शहर के विभिन्न स्कूलों में तथा विभागों में हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता के कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। इसी क्रम में आज वंदना कान्वेंट स्कूल में मानव श्रृंखला बनाकर मध्यप्रदेश का नक्शा बनाया गया। सुश्री मंजुषा खत्री ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने तिरंगे की शान एवं सम्मान रखना है। हमें ऐसा कोई कार्य नहीं करना है जिससे हमारे देश की शान में कोई आंच आये, हमारे तिरंगे के सम्मान में कोई कमी न हो।

नशा मुक्ति का संकल्प : उत्कृष्ट और एमएलबी विद्यालय में छात्रों ने ली नशा न करने की शपथ

कार्यक्रम शिक्षकों एवं स्टॉफ को नशा मुक्त भारत के निर्माण हेतु शपथ दिलाई गई

नवभारत न्यूज

गुना। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 1 अगस्त से 31 अगस्त 2025 तक जिले में नशा मुक्ति जनजागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला चलाई जा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय (भारत सरकार) के अंतर्गत स्वीकृत मन मनोचिकित्सा संस्थान एवं जिला नशा मुक्ति केंद्र, गुना द्वारा शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (एमएलबी) में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं स्टाफ को नशा मुक्त भारत के निर्माण हेतु शपथ दिलाई गई।

इस शपथ में सभी ने संकल्प लिया कि वे स्वयं नशे से दूर रहेंगे और समाज में अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करेंगे। साथ ही यह भी प्रण लिया कि वे नशे के दुष्प्रभावों के बारे में अपने परिवार और समुदाय को जानकारी देंगे ताकि एक स्वस्थ, सुरक्षित और नशामुक्त समाज का निर्माण हो सके। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा देना, नशे के खतरों से अवगत कराना और उन्हें जीवन में सकारात्मक राह चुनने के लिए प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने छात्रों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने यह भी समझाया कि नशा न केवल व्यक्ति को बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। कार्यक्रम में मन नशा मुक्ति केंद्र की ओर से प्रोजेक्ट मैनेजर शुभिका विजयवर्गीय, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर हितेश कुशवाह, अजयपाल अहिरवार, अनक खान एवं विनायक राठौर उपस्थित रहे। सभी ने छात्रों के साथ संवाद करते हुए नशा मुक्ति को लेकर सकारात्मक संदेश दिया। अंत में छात्रों ने एक स्वर में प्रतिज्ञा की कि वे नशे से दूर रहेंगे और दूसरों को भी इससे दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे।

अव्यवस्था डॉक्टरों की अनुपस्थिति से मरीज परेशान, रोज अस्पताल नहीं आते डॉक्टर

प्रशासन की लापरवाही से चाचौड़ा अस्पताल बदहाल

नवभारत न्यूज

चांचौड़ा। चाचौड़ा विधानसभा मुख्यालय का अस्पताल इन दिनों बदहाली की मार झेल रहा है। बीएमओ के निर्देश के बावजूद यहां डॉक्टर नियमित रूप से नहीं बैठ रहे, जिससे मरीजों को इलाज के बजाय निराशा मिल रही है। एक माह पहले गुना से आए चिकित्सक के समक्ष पत्रकारों, जनप्रतिनिधियों ने अस्पताल की समस्याएं रखी थीं।

तब चिकित्सा अधिकारी ने अस्थाई रूप से डॉक्टरों की व्यवस्था करने का आश्वासन दिया था। इसके बाद बीनागंज के चिकित्सा अधिकारी डॉ. पुष्पक ने बीनागंज अस्पताल में पदस्थ डॉक्टरों की ड्यूटी चाचौड़ा अस्पताल में प्रतिदिन के हिसाब से तय की थी। शुरुआत में कुछ दिन डॉक्टर अस्पताल पहुंचे, लेकिन बाद में स्थिति पहले जैसी हो गई। अब मुश्किल से एक-दो डॉक्टर ही आते हैं, वह भी दोपहर 12 बजे पहुंचकर 2 बजे तक चले जाते हैं। इसके बाद अस्पताल में कोई डॉक्टर नहीं रहता। कई बार प्रशासनिक अधिकारियों और राजनेताओं को इस समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन आश्वासन के अलावा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

स्थिति यह है कि चांचौड़ा और आसपास की जनता इलाज की उम्मीद लेकर अस्पताल आती है, लेकिन यहां पहुंचकर पता चलता है कि डॉक्टर मौजूद नहीं हैं। यदि पर्चा बन भी जाता है, तो जांच के लिए मरीजों को बीनागंज अस्पताल भेज दिया जाता है, जहां दोबारा पर्चा बनवाना पड़ता है। यह प्रक्रिया गरीब और आदिवासी बहुल क्षेत्र के लोगों के लिए अतिरिक्त आर्थिक बोझ बन रही है, क्योंकि आने-जाने का किराया और दोबारा पर्चा शुल्क उन्हें भारी पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब अस्पताल में स्थायी रूप से डॉक्टरों की व्यवस्था नहीं हो सकती, तो इसे बंद कर देना चाहिए, ताकि जनता को भ्रमित न किया जाए। इसके अलावा अस्पताल में दवाइयां भी समय पर उपयोग न होने से खराब होने का खतरा बना रहता है। कभी सिविल अस्पताल का दर्जा रखने वाला यह केंद्र अब आयुष्मान स्वास्थ्य केंद्र में बदल चुका है, लेकिन सुविधाओं के नाम पर यहां केवल एक स्टाफ नर्स, एक वार्ड बॉय, एक सफाईकर्मी और एक फार्मासिस्ट ही मौजूद हैं। अस्पताल में मात्र छह बेड हैं, जिससे गंभीर मरीजों का इलाज करना संभव नहीं है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि जब बुनियादी चिकित्सा सुविधाएं ही उपलब्ध नहीं हैं, तो चाचौड़ा के लोगों को सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवा कैसे मिलेगी। चांचौड़ा की जनता की मांग है कि सरकार और प्रशासन इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करे, डॉक्टरों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करे और अस्पताल की सुविधाएं बहाल करे, ताकि मरीजों को अपने ही क्षेत्र में इलाज मिल सके और उन्हें बार-बार बीनागंज या अन्य जगहों के चक्कर न काटने पड़ें।

इनका कहना है

जिन डॉक्टर ने समय पर पूरी ड्यूटी नहीं की गई है उनका जांच प्रतिवेदन वरिष्ठ कार्यालय प्रेषित कर दिया गया।

राजेश कुमार पुष्पक
बीएमओ चांचौड़ा

मधुसूदनगढ़ में जनचेतना शिविर आयोजित किए

गुना। समाज के कमजोर वर्ग, विशेषकर अनुसूचित जाति एवं जनजाति के लोगों में विधिक अधिकारों और सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने के उद्देश्य से विशेष थाना अजाक द्वारा जनचेतना शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानसिंह ठाकुर के मार्गदर्शन और डीएसपी मुख्यालय जमीलउद्दीन सिद्दीकी के पर्यवेक्षण में बीते दिन जामनेर और मधुसूदनगढ़ के अनुसूचित जाति/जनजाति बहुल क्षेत्रों में ऐसे शिविर आयोजित किए गए।

दिव्यांग को प्रदान की बैटरी युक्त ट्रायसाइकिल

गुना। शहर के बीजी रोड स्थित हरिजन बस्ती निवासी दिव्यांग इब्राहिम खान ने मंगलवार को आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई में कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर कि वह अस्थिबाधित दिव्यांग हैं। साथ उनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं हैं। ट्राइसाईकिल नहीं होने से चलने एवं अन्य कार्य करने में परेशान का सामना करना पडता हैं। कलेक्टर श्री कन्याल ने उनकी पीड़ा को गंभीरता से लेते हुए सामाजिक न्याय विभाग को तुरंत समाधान के निर्देश दिए। प्राप्त निर्देशों पर विभाग ने उसी जनसुनवाई में इब्राहिम खान को बैटरी संचालित ट्रायसाइकिल उपलब्ध कराई। ट्रायसाइकिल मिलने पर इब्राहिम खान ने खुशी व्यक्त करते हुए शासन एवं जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

मारकी महू में निकाली तिरंगा यात्रा

नवभारत न्यूज

मारकीमहू। ग्राम मारकीमहू हर घर तिरंगा यात्रा के अंतर्गत मंगलवार को ग्राम मारकीमहू में देशभक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। सरपंच निवास से मारकी महू सहराना तक भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली में स्कूल के छात्र-छात्राएं ओर उमरी मंडल अध्यक्ष मोहन बरेला ग्राम मारकीमहू के सरपंच प्रतिनिधि सुनील राठौर, रोजगार सहायक रवि धाकड़, भाजपा महामंत्री प्रेम दास बैरागी, नीरज शर्मा, विकास यादव एवं अन्य ग्रामीण उत्साहपूर्वक शामिल हुए। सरपंच प्रतिनिधि सुनील राठौर ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। स्वयं हाथ में तिरंगा लेकर रैली में सम्मिलित रहे। रैली के दौरान देशभक्ति के नारों से माहौल गूंज उठा। इस अवसर पर ग्राम के वरिष्ठ नागरिक देवीलाल जाटव, सोनवीर राठौर, अशोक जाटव, अभी, आदि मौजूद रहे।